BABA MASTNATH UNIVERSITY

ASTHAL BOHAR, ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication .... Hari Bhoomi ....

Date 26/05/2025 .... Page .... 11 .... Column 01

Subject .... मौलिक अधिकारों और अन्य कानूनी पहलुओं पर किया जागरूक

मौलिक अधिकारों और अन्य कानूनी पहलुओं पर किया जागरूक

ग्रामीणों को मौलिक अधिकारों की दी जानकारी

- बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा गांव गढ़ी बोहर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विधिक सहायता क्लब द्वारा गांव गढ़ी बोहर में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को भारतीय संविधान के अंतर्गत प्रदत्त मौलिक अधिकारों और अन्य कानूनी पहलुओं के प्रति

रोहतक। गांव गढ़ी बोहर में विधिक जागरूकता शिविर में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के छात्र-छात्रा और शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

जागरूक करना रहा। विधि संकाय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा एवं रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार ने विधिक सहायता क्लब द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में और अधिक गांवों तक पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समाज के उत्थान के लिए शिक्षा के साथ-साथ जन-जागरूकता कार्यक्रमों को भी प्राथमिकता दे रहा है। शिविर के संचालन में डॉ. प्रमिला और डॉ. हरविंदर, सहायक प्रोफेसर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि भारतीय संविधान के अंतर्गत जो मौलिक अधिकार निहित हैं, वे प्रत्येक नागरिक के सामाजिक, मानसिक और व्यक्तिगत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ये अधिकार न्यायालयों के माध्यम से लागू किए जा सकते हैं और यह राज्य की मनमानी के विरुद्ध नागरिकों की रक्षा करते हैं। इसके अतिरिक्त, डॉ. सीमा देवी, भव्या, शुभम और ह... जैसे प्रतिभागियों ने भी ग्रामीणों को सरल भाषा में कानून की धाराओं, अधिकारों और विधिक प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धजनों के लिए बनाए गए विशेष कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डाला।

विधि संकाय के डीन ने कानूनों के बारे में बताया

विधि संकाय के डीन, डॉ. मनीष दलाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यवहारिक ज्ञान को तो बढ़ाते ही हैं, साथ ही समाज के वंचित वर्गों को भी अपने अधिकारों के प्रति सजग करते हैं। इस अवसर पर डॉ. राजरानी, डॉ. नेहा, डॉ. राहुल, डॉ. सोनिया, डॉ. विनती, आकाशदीप आदि मौजूद रहे।